बुन्देल भारती
भाग 2

बुंदेल भारती

(दूसरा भाग)

पाठ्य एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन,

लखनऊ– 226005 (उत्तर प्रदेश)

बुंदेल भारती
(दूसरा भाग)

रचना मण्डल
डा. एन. के. सिंह
लीलाधर शर्मा पर्वतीय
द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
भवानी शंकर उपाध्याय
डॉ. ओम प्रकाश शर्मा
यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार'
श्याम लाल
विश्वनाथ सिंह

पुनर्निर्माण
डॉ. देवेन्द्र सिंह
डॉ. धर्म सिंह
श्याम लाल
विश्वनाथ सिंह
शिवदत्त त्रिवेदी

कलापक्ष
पूनम शाही
मीरा गुप्ता
डी. वी. दीक्षित
के. जी. सिंह

प्रकाशक
राज्य संदर्भ केन्द्र,
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ-226005

चतुर्थ संस्करण
मार्च -1990

मुद्रक
वर्धन प्रिंटर्स
94, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ-226001

बुन्देल भारती

दूसरा भाग

(पाठ इकाई विवरणिका)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	झाँझ नगाड़ा फाग	झ ड़(ड) फ	51 से 60 तक गिनती	सांस्कृतिक : संस्कृति का अर्थ, लोक गीतों और लोककथाओं का महत्त्व	सांस्कृतिक पक्ष
2.	अभ्यास	कविता	61 से 70 तक गिनती	वृक्षारोपण : वृक्षों का महत्त्व, पर्यावरण सुरक्षा	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति
3.	अनाज अंडा मछली बथुआ	अ अं छ थ	71 से 80 तक गिनती	पौष्टिक आहार : कम खर्च में अच्छा भोजन, संतुलित आहार से तात्पर्य	स्वास्थ्य विषयक: चेतना-जागृति
4.	औरत भोजन पोषण	औ भ ष ण	81 से 90 तक गिनती	परिवार कल्याण:गर्भवती महिलाओं की जाँच, भोजन, टीके, बच्चों का पालन-पोषण	स्वास्थ्य विषयक: चेतना-जागृति (बाल एवं महिला स्वास्थ्य)
जाँच पत्र : 4 (पाठ 1 से 4 तक के लिए)					

5.	नेत्र इलाज ऐनक	त्र,इ ए	91 से 100 तक गिनती	स्वास्थ्य : आँखों की सुरक्षा के उपाय,इलाज की सुविधाएँ	स्वास्थ्य पर आधारित चेतना-जागृति
6.	ऊन उधार ऋण मशीन	ऊ उ ऋ श	सैकड़ा, दहाई, इकाई का ज्ञान	स्वरोजगार योजना : घर की आमदनी बढ़ाने के साधन, घरेलू धन्धों के लिए सरकारी सुविधाएँ	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप
7.	गढ़ ओरछा कृपाण	ढ़ ओ ृ	जोड़ के सवाल	ऐतिहासिक:बुन्देलखण्ड की भौगोलिक स्थित, वीर भूमि के रूप में उसका महत्त्व, हरदौल की कथा	सांस्कृतिक पक्ष : चेतना-जागृति
8.	अभ्यास	कविता	जोड़ का अभ्यास	बुन्देलखण्ड की विरासत	सांस्कृतिक पक्षः चेतना-जागृति
	जाँच पत्र : 5 (पाठ 5 से 8 तक के लिए)				

9.	शिक्षा पाठ एकता ज्ञान	क्ष ठ ज्ञ ए	घटाने के सवाल	शिक्षा : पढ़ाई का महत्त्व	चेतना-जागृति
10.	संयुक्ताक्षर	पाई हटाकर बनने वाले, घुंडी हटाकर बनने वाले	दो अंकों के जोड़, घटाने का अभ्यास	सामाजिक **दहेज से छुटकारा**	चेतना-जागृति
11.	संयुक्ताक्षर	हलन्त लगाकर बनने वाले, 'र' के संयोग से बनने वाले	रुपये-पैसे का जोड़, घटाना	राष्ट्रीय सन्दर्भ: राष्ट्रीय प्रतीक, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय पक्षी	चेतना-जागृति
जाँच पत्र : 6 (पाठ 1 से 11 तक के लिए)					
प्रमाण पत्र					

पाठ 1

झाँझ नगाड़ा फाग

झ ड़ (ड) फ

झलक झालर झिलमिल झील झूला

बड़ा जाड़ा पेड़ पड़ोसी झाड़ू

डगर डाल डीलडौल डोली डूबना

फल फूल फौरन फिसलन फुरसत

रंगपंचमी

चैत के महीने का अँधेरा पाख। पंचमी का दिन। हर साल यह दिन बड़ी धूमधाम से रंगपंचमी के रूप में मनाया जाता है।

जाड़ा बीत चला। गाँव-गाँव में रंगपंचमी या फागपंचमी का मेला जुड़ गया। माधो-मलखान, रहीम-रजिया, राधा-जानकी सब फाग गाने लगे।

पंचमी के दिन झाँसी के पास बालाजी में बड़ा मेला लगता है। रंग से सराबोर हजारों नर-नारी गालों पर गुलाल मलते हैं। बड़ी-बड़ी टोलियाँ झाँझ, मँजीरा, ढोल व नगाड़े बजाती हुई निकलती हैं –

जा होरी खेलें राम लला,
हो राम लला गोविंद लला।
जा होरी खेलें राम लला।।
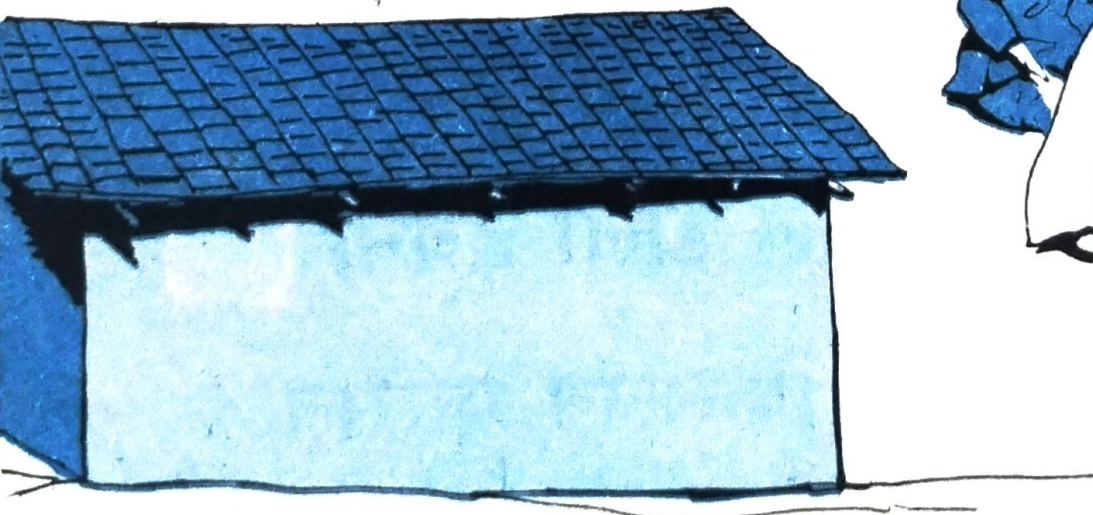
अभ्यास 1

1.1. नीचे दिए शब्दों में से उन शब्दों को छाँटकर एक साथ लिखिए, जिसमें झ ड़ ड अथवा फ अक्षर आए हैं :

झाँसी	डोरी	फीता	घड़ी	झूला
फागुन	डलिया	झील	डीलडौल	माँझी
फूल	लड़ाई	फसल	चौड़ाई	रेलगाड़ी

झ ______ ______ ______ ______

ड़ ______ ______ ______ ______

ड ______ ______ ______ ______

फ ______ ______ ______ ______

1.2. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. बाँस से ---------- बनाते हैं। (डलिया/झोला)
2. बरसीम ---------- चारा है। (हरा/सूखा)
3. मेहनत ---------- की कुंजी है। (सफलता/मुसीबत)

गिनिए और लिखिए :

51, 52 53 54 55 56 57 58 59 60

--- --- --- --- --- --- --- --- --- ---

पाठ 2

पेड़ लगायें

चलो-चलो सब पेड़ लगायें,
बंजर में हरियाली लायें।
देह सँवारें हम धरती की,
काया बदलेगी धरती की।
एक पेड़ सौ पूत समान,
सबको देता जीवन दान।

पेड़ लगें जलवायु बदले,
घुमड़-घुमड़ कर बादल मचले।
ढेर-ढेर ईंधन मिल जाये,
फल-फूलों में कोयल गाये।

माटी रुके बहे ना आगे,
नौंनी-नौंनी धरती लागे।
रोगों से हर काया जीते,
सुख से सब, जनजीवन बीते।

—डॉ॰ अश्वघोष

अभ्यास 2

1. वर्णों और मात्राओं को जोड़कर लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं
क										
ख										
ग										
घ										
च										
ज										
झ										
ट										
ड										
त										
द										
ध										
न										
प										
फ										
ब										
म										
र										
ल										
स										
ह										

2.1. गिनिए और लिखिए :

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

--- --- --- --- --- --- --- --- --- ---

2.2 खाली जगहों में सही गिनती भरिए :

	52			55
56		58		
	62		64	
66				70

2.3 35 से 65 तक गिनतियाँ क्रम से लिखिए :

35 ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____ 65
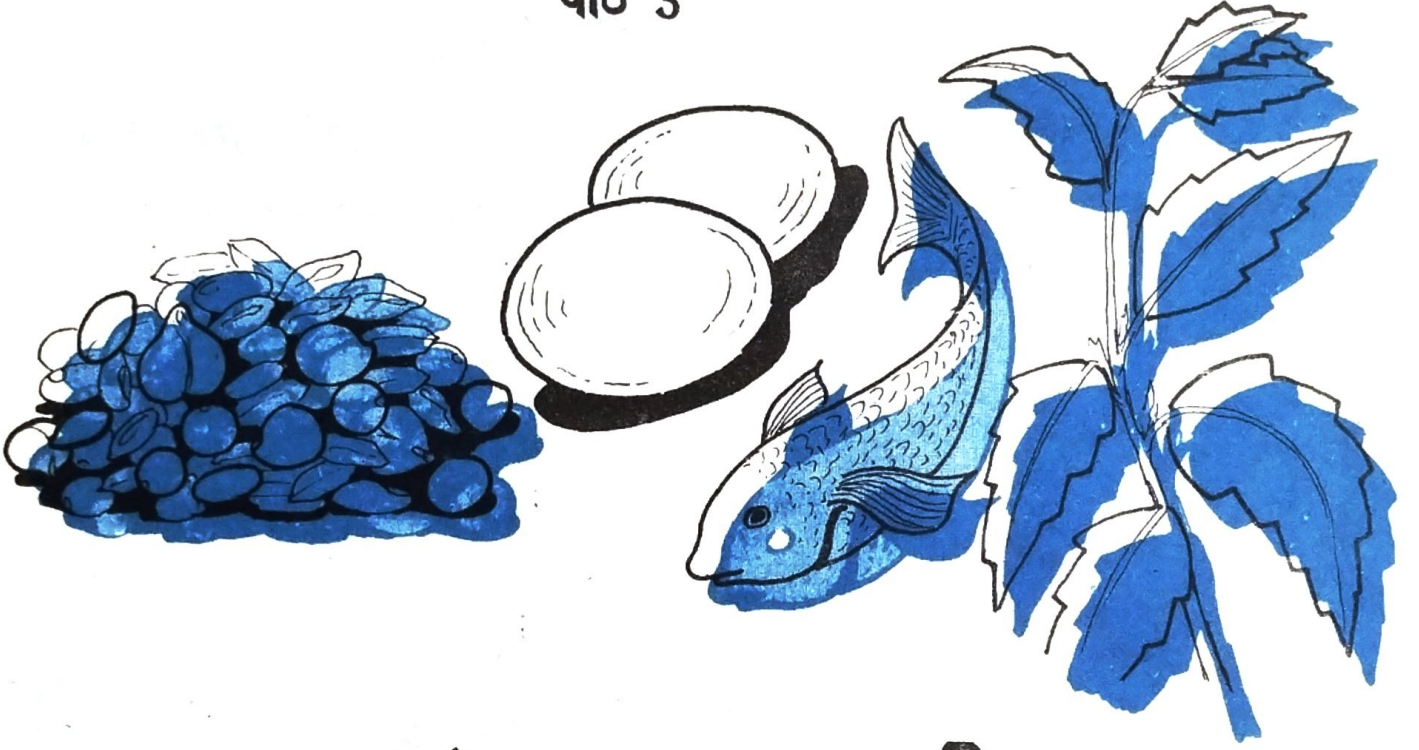
पाठ 3

अनाज अंडा मछली बथुआ

अ अं छ थ

अ	अब अलाव अटूट असुविधा असिंचित
अं	अंक अंगार अंगूर अंधेर अंकुरित
छ	छत छोटा छिलका छींक छूट
थ	थन थाली थिरकना हथेली मथानी

दोनों हँसने लगीं

मोथी घर पर थी। छबीली बहुत दिनों बाद अपनी सहेली से मिलने आई। मोथी ने छबीली को गले लगा लिया।

छबीली बोली—"बहन, तुम मजे में हो, अपना घर है। खूब अनाज है। चाँद जैसी अंजना बेटी है। फूल-सा नाथू बेटा है। छोटा-सा परिवार है—हरी-भरी फुलवारी जैसा।"

मोथी हँसने लगी। बोली—"हाँ छबीली, सब कुछ है। गाय है, बकरी है, सब दूध पीते हैं, दही खाते हैं। दही मथकर माखन खिलाती हूँ। छाछ पिलाती हूँ। अंडा, मछली जब-तब खाने में देती रहती हूँ। बथुआ का साग या बथुआ मिली रोटी बनाती हूँ। तूने ही तो बताया था—बथुआ में विटामिन ही
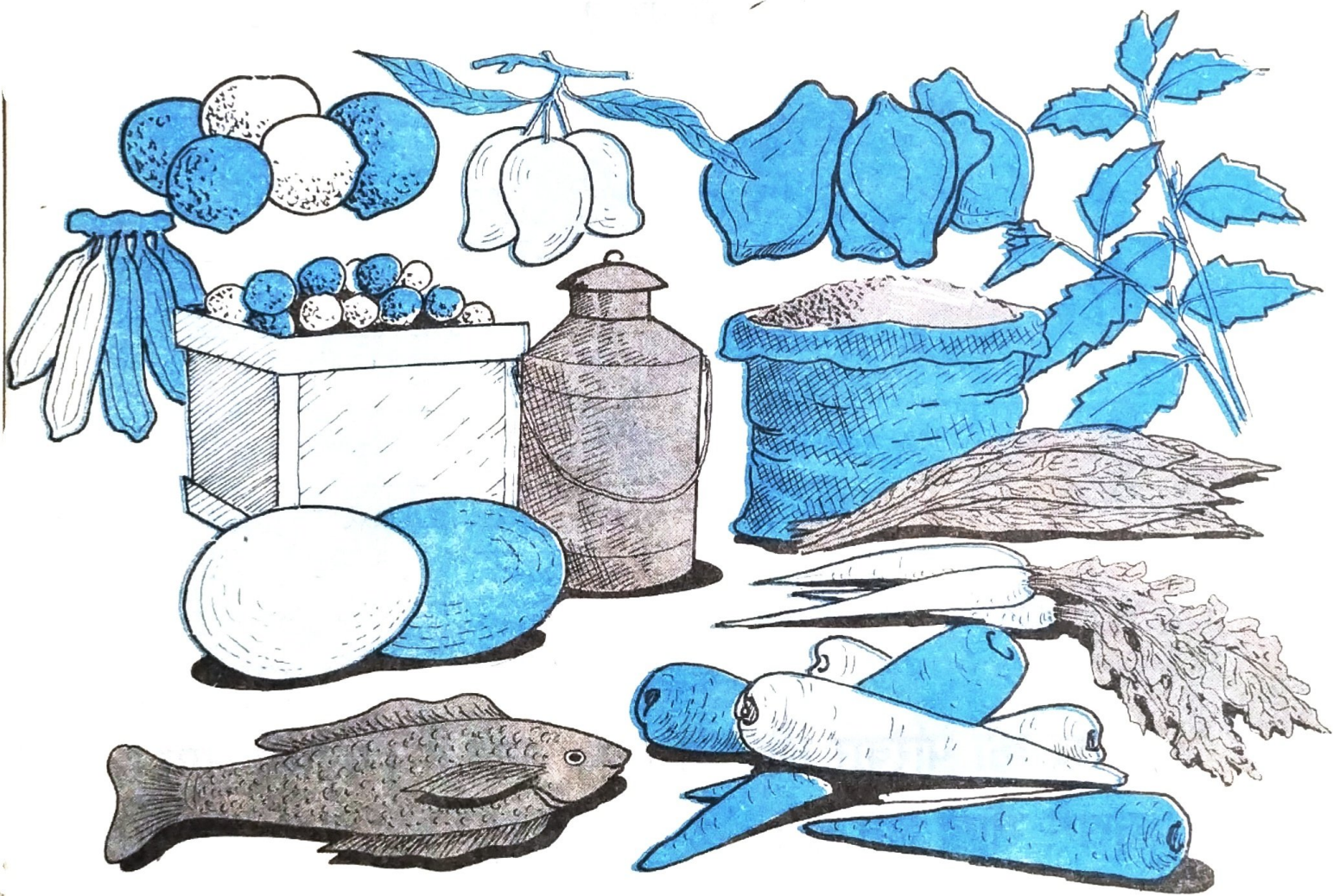
विटामिन है। यह विटामिन ही तो आदमी की सेहत का राज है।''

छबीली ने कहा—''तब फिर मेरे देवर की यह कविता तो याद होगी—

दूध, दही, अंडा और बथुआ, मछली ताकत वाली।
घरनी चतुर परोसे रहती, सुख सेहत की थाली।।''

दोनों हँसने लगीं।

अभ्यास 3

1.1. लिखिए :

अ ______ ______ ______ ______ ______

अं ______ ______ ______ ______ ______

छ ______ ______ ______ ______ ______

थ ______ ______ ______ ______ ______

1.2. पढ़िए और लिखिए :

अंगद का परिवार छोटा है। वह सुखी है। पड़ोसी लोग उससे सीख लेते हैं।

----

2. गिनिए और लिखिए :

71 72 73 74 75 76 77 78 79 80

--- --- --- --- --- --- --- --- --- ---

पाठ 4

औरत भोजन पोषण

औ भ षण

औ	और औजार औसत औटना औलाद
भ	भलाई सभापति भिखारी भीड़ भूख
ष	षड़ानन भाषा अभिलाषा पोषाहार औषध
ण	कण गणपति जागरण गणित रामायण

काकी की बहू

भानमती बहू बनकर काकी के घर आई। काकी फूली न समाई। वह घर-घर कहती फिरती—मेरी बहू सुंदर है, सलीके वाली है, समझदार है। देखना, मैं बहू को अपनी पलकों पर रखूँगी।

विवाह के दो साल बाद भानमती के पाँव भारी हुए। काकी को तो जैसे कोई खजाना मिल गया—मेरी बहू माँ बनेगी। आँगन में किलकारी गूँजेगी। मैं दादी वनूँगी।

काकी भानमती के खान-पान में सावधानी बरतने लगी। भानमती को भारी काम न करने देती। बहू से बार-बार कहती—आजकल खूब पोषक भोजन खाया कर। तेरी खुराक ही पेट में पलते बालक की खुराक बनेगी।

जब काकी यह बात कह रही थी, तभी मणिबाई आ गई। मणिबाई ने कहा—काकी, बहू को कल मेरे पास ले आना। वहाँ बहू की जाँच होगी। कुछ समय बाद कुछ टीके भी लगेंगे। भोजन और पोषण की सावधानी सौरी के पहले, सौरी में और सौरी के बाद भी रखनी होगी। काकी, यह सब कर लोगी तो बहू की सेहत बनी रहेगी तथा बालक भी नीरोग और सुंदर होगा।

काकी दूसरे दिन बहू को लेकर दाई के पास गई।

अभ्यास 4

पढिए :

औजार	भाषा	जनगणना	नभ
रावण	धनुष	भगवती	औषधालय
औलाद	भवन	औसत	भारत

2. लिखिए :

औ ____ ____ ____ ____ ____

भ ____ ____ ____ ____ ____

ष ____ ____ ____ ____ ____

ण ____ ____ ____ ____ ____

3.1. गिनती गिनिए और लिखिए :

81 82 83 84 85 86 87 88 89 90

--- --- --- --- --- --- --- --- --- ---

3.2. छूटी हुई गिनतियों को पूरा कीजिए :

71 --- 73 --- 75 --- 77 78 --- ---

--- 82 --- 84 --- 86 --- 88 89 90

जाँच पत्र : 4 (पाठ 1 से 4 तक के लिये)

1. पढ़िए :

नगाड़ा झाँसी जलवायु छुआछूत
थिरकना आभूषण हरियाली औषधालय

झाँसी के पास बालाजी का मंदिर है। वहाँ बड़ा मेला लगता है। वहाँ मोथी को छबीली मिली। दोनों ने नुमायश देखी। भाषण सुने।

2. नीचे पाँच वाक्य दिये गये हैं। उनमें खाली जगह पर सही शब्द चुनकर भरिए :

कलंक ताकत फाग पोषण सुख

रंग पंचमी पर ---------------- गाते हैं।
छोटा परिवार ----------- का आधार है।
बथुआ खाने से ------------ मिलती है।
छुआछूत समाज का --------------- है।
भोजन और ------------ की सावधानी रखनी चाहिए।

3. लिखिए :

फागुन झाड़ू हथेली अंगूर आभूषण

________ ________ ________ ________ ________

4. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

टोलियाँ मजीरा ———— ढोल बजाती हुई निकलीं ।

(छाछ/झाँझ)

विटामिन आदमी की ———— का राज है ।

(सेहत/नेमत)

पड़ोसी लोग अंगद की घरवाली से ———— लेते हैं ।

(सीख/भीख)

छूआछूत समाज का ———— है ।

(पलंग/कलंक)

काकी खूब ———— देती हैं ।

(पोषण/भाषण)

5. छूटी हुई गिनतियों को पूरा कीजिए :

78 --- 80 --- --- 83 ---

85 --- 87 --- --- 90 ---

पाठ 5

नेत्र इलाज ऐनक
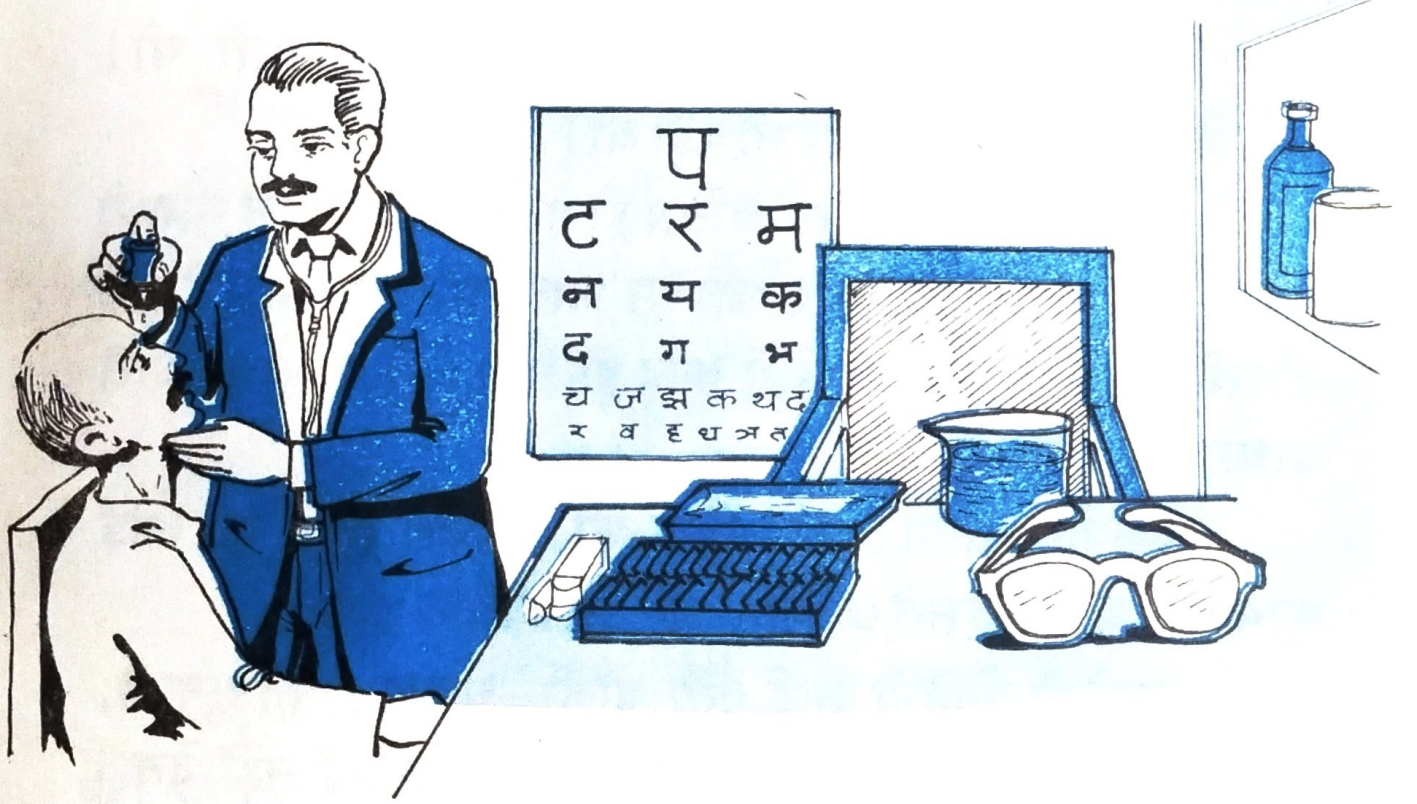
त्र इ ऐ

त्र | पत्र यात्रा त्रिलोक मंत्री छत्रसाल

इ | इत्र इनाम इमारत इंसान इंदिरा

ऐ | ऐसा ऐतिहासिक ऐरावत ऐलान

सही इलाज

साँझ होते ही इसुरी टटोल-टटोल कर चलती थी। दरवाजे से टकराकर वह गिर भी पड़ी थी।

यह देखकर छत्रपाल चिंतित हो गया। छत्रपाल ने मैना से कहा– तुम इसुरी को लेकर खेत पर जाती हो और साँझ देर से लौटती हो। लगता है, राह में कुछ हो गया। मैं अभी एतवारी चाचा को बुलाता हूँ।

एतवारी आया। झाड़-फूँक की, लेकिन इसुरी को कोई फायदा न हुआ। इससे छत्रपाल और भी चिंतित हुआ।

इतने में मोहिनी आई और बोली–चाचा , मैंने सुना है, आपकी बिटिया इसुरी को शाम के समय दिखाई नहीं देता। वह टटोल-टटोल कर चलती है। कल पंचायत घर में बाहर से आँखों की जाँच करने वाले आयेंगे। दवा देंगे। जिनको जरूरत होगी, ऐनक भी देंगे। मैं यही बताने आई हूँ। आप इसुरी को वहाँ जरूर दिखा दें।

दूसरे दिन पंचायत-घर में इसुरी के नेत्रों की जाँच हुई। वहाँ बताया गया कि लड़की को रतौंधी की बीमारी है। यह बीमारी भोजन में कुछ कमी रह जाने से हो जाती है। आप इसे पीले रंग वाली चीजें, जैसे—पपीता, आम, गाजर खिलाइए। मौसम के फल और हरे साग भी खिलायें। कुछ दिनों में फायदा हो जायेगा। यही इस बीमारी का सही इलाज है।

इसुरी को दवा पिलाई गई। यह भी बताया गया कि अगली खुराक कब और कहाँ मिलेगी।

छत्रपाल इसुरी को घर ले आया। लड़की को पीले फल और साग खिलाये। थोड़े दिनों में इसुरी की आँखें ठीक हो गई। अब छत्रपाल की समझ में आया कि बीमारी का सही इलाज झाड़-फूँक नहीं है। सही भोजन और सही दवा से ही बीमारी दूर हो सकती है।

अभ्यास 5

1. नीचे लिखे शब्दों में त्र, इ और ऐ वर्णों को गिनिए और उतनी ही बार इन वर्णों को लिखिए :

जनतंत्र इमारत ऐरावत लोकतंत्र
इलायची इलाहाबाद ऐतिहासिक मंत्र
पत्र ऐलान गणतंत्र

त्र --

इ --

ऐ --

2. पढ़िए और लिखिए :

- तंत्र-मंत्र से बीमारी नहीं जाती है ।
- बीमार होने पर सही इलाज कराना जरूरी है ।

____

____

3. गिनिए और लिखिए :

91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

--- --- --- --- --- --- --- --- --- ----

पाठ 6

ऊन	उधार	ऋण	मशीन
ऊ	उ	ऋ	श

ऊ	ऊसर ऊदल ऊँचा कमाऊ टिकाऊ
उ	उमर उदार उजाला उचित उरई
ऋ	ऋषि ऋतु ऋतुराज ऋण उऋण
श	शहद शिकार शीशम शान अशोक

भड़ारी की कायापलट
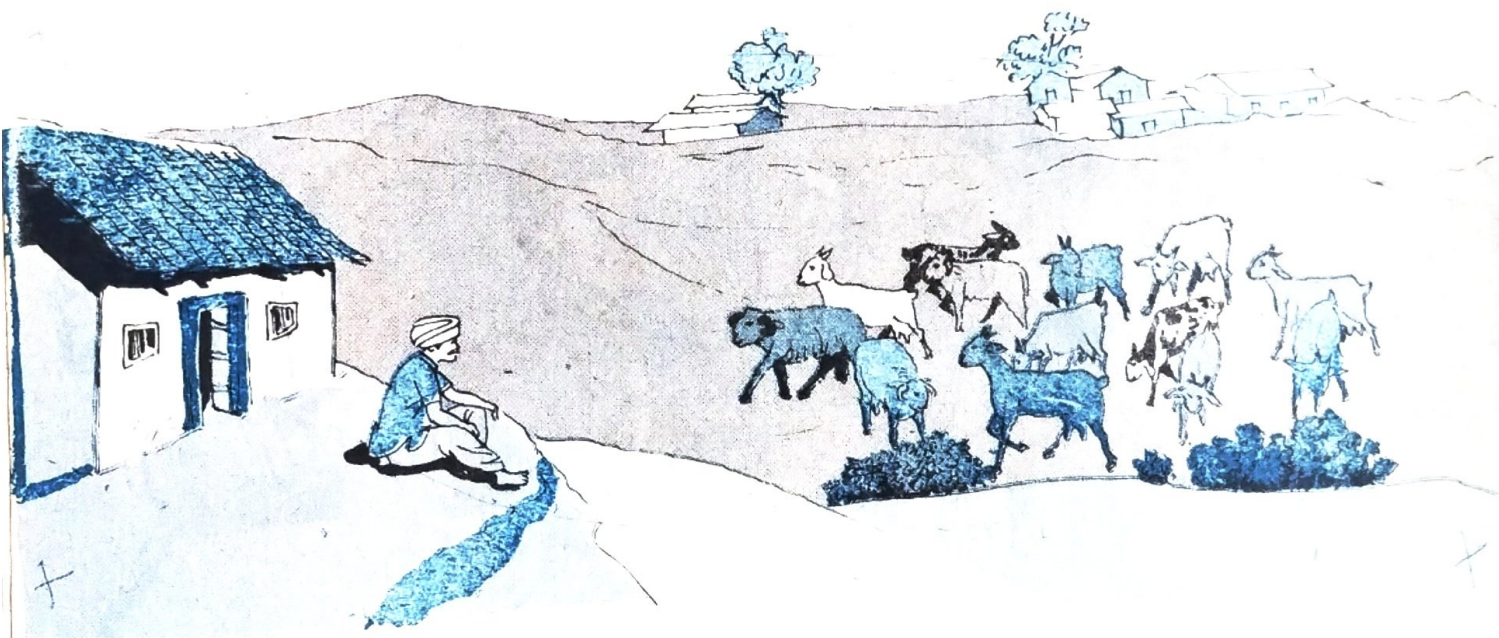
ऊबड़-खाबड़ जमीन और पानी की कमी। खेती का कोई साधन नहीं था। किसी-किसी के पास दो-चार बकरियाँ थीं, पर वे भी सुधरी जाति की नहीं। अधिकतर गाँव वाले इधर-उधर मजदूरी करके किसी तरह दो समय की रोटी जुटा पाते थे।

इसी बीच बाहर के कुछ लोग गाँव पहुँचे। ये सरकारी सेवक थे। उन लोगों ने गाँव वालों को जुटाया। सबके हाल-चाल पूछे। लोगों ने अपनी-अपनी परेशानी बताई।

बाहर से आये लोगों में से कोई बोला— हमें आपकी परेशानियाँ और अड़चनें दूर करने को भेजा गया है। आप लोग बकरी पालने का काम आसानी से कर सकते हैं। इसमें बड़ा फायदा है। बकरियों से दूध मिलेगा, ऊन मिलेगी। चाहें तो उनके मेमनों को बेच भी सकते हैं।

यह सुनकर गाँव के मुखिया हलकू ने कहा– जब दो समय की रोटी ही नहीं जुट पाती तो हम भेड़-बकरी कहाँ से खरीदेंगे ?

इस पर दूसरा आदमी खड़ा हुआ और बोला– मुझे बैंक ने भेजा है। आप लोग बैंक से ऋण लेकर बकरी खरीद सकते हैं। यह ऋण धीरे-धीरे आसानी से चुकाया जा सकता है। इधर-उधर से उधार लेने की कोई जरूरत नहीं है।

इतने में तीसरा आदमी खड़ा हुआ। उसने बताया कि वह सुधरी जाति की बकरियाँ खरीदने में गाँव वालों की मदद करेगा। उनके रखने-पालने के नये तरीके भी बतायेगा। ऊन निकालने और उसे बेचने में भी वह मदद कर सकता है।

ये बातें गाँव वालों के दिल में उतर गईं। नतीजा सामने है। अब कोई बाहर मजदूरी करने नहीं जाता। गाँव में सहकारी समिति बन गई है। समिति से ऋण लेकर ऊन की कताई-बुनाई की मशीनें भी खरीद ली हैं। लोग अपने ही गाँव में धंधे से लगे हुए हैं और सुख से खाते-पीते हैं।

अभ्यास 6

1.1. पढ़िए और लिखिए :

ऊ ______ ______ ______ ______ ______

उ ______ ______ ______ ______ ______

ऋ ______ ______ ______ ______ ______

श ______ ______ ______ ______ ______

1.2. ऊदल ऊख उजाला ______ ______ ______

शरीफा गणेश ऋषिकेश ______ ______ ______

1.3. नीचे कुछ वाक्य दिए हुए हैं। चौखटे में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर उन वाक्यों को पूरा कीजिए और लिखिए :

महोबा	ऋण	उरई	चीनी

ऊदल------के बहादुर थे। माहिल------का सरदार था।
बैंक से ही----लेना उचित है। ईख से-----बनाई जाती है।

____

____

____

2.1. गिनिए और लिखिए :

1	11	21	31	41	51	61	71	81	91
2	12	22	32	42	52	62	72	82	92
3	13	23	33	43	53	63	73	83	93
4	14	24	34	44	54	64	74	84	94
5	15	25	35	45	55	65	75	85	95
6	16	26	36	46	56	66	76	86	96
7	17	27	37	47	57	67	77	87	97
8	18	28	38	48	58	68	78	88	98
9	19	29	39	49	59	69	79	89	99
10	20	30	40	50	60	70	80	90	100

2.2. नीचे दिया हुआ नियम जानें :

इकाई 1 (जैसे, 1 2 3 4 5 6 7 8 9)
इकहरी गिनती को इकाई कहते हैं।
दहाई 10 (जैसे, 10 20 30 से 90 तक)
सैकड़ा 100 (जैसे, 100 200 300 से 900 तक)

3 सैकड़ा 5 दहाई 4 इकाई का मतलब है : 354
3 सैकड़ा = 300, 5 दहाई = 50, 4 इकाई = 4

सब मिलाकर = 354 तीन सौ चौवन

2.3. इन्हें लिखिए और पढ़िए :

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
532	-----	-----	-----
225	-----	-----	-----
475	-----	-----	-----
545	-----	-----	-----
620	-----	-----	-----
608	-----	-----	-----
700	-----	-----	-----
999	-----	-----	-----

पाठ 7

गढ़ ओरछा कृपाण

ढ़ ओ ृ

ढ़	पढ़ना कढ़ाई गढ़ी सीढ़ी साढ़ू
ओ	ओस ओला ओखली ओसारा ओढ़नी
ृ	गृह कृपा कृषि मातृभूमि शृंगार

छत्रसाल

ओरछा के महाराजा छत्रसाल का बड़ा नाम है। वे बुन्देलखंड के अमर सपूत थे। वे बड़े बहादुर थे और अपने फैसले पर हमेशा दृढ़ बने रहते थे।

वीर छत्रसाल को कभी भी गुलामी कबूल नही थी। वे छत्रपति शिवाजी के सहयोग से अकेले ही मुगलो पर चढ़ाई करने को तैयार हो गये थे। इस वीर ने कड़ी से कड़ी मुसीबतें झेलकर भी अपना अलग से राज कायम कर लिया था। किसी कवि ने इनके राज की सीमाओं के बारे में कहा है कि—

इत यमुना उत नरमदा, इत चंबल उत टौस।
छत्रसाल सों लड़न की, रही न काहू हौस।।

महाराज छत्रसाल कुशल सेनानी तो थे ही, कुशल शासक भी थे। वे अपनी मातृभूमि के बहुत बड़े सेवक थे। उनका हृदय भी बड़ा उदार था। वे कवियों का बहुत आदर करते थे। महाकवि भूषण का नाम कौन नहीं जानता ? वे वीर-रस के जाने-माने कवि थे। जब वे अपनी कविता पढ़कर सुनाते थे तो महाराजा छत्रसाल का हृदय वीर-रस से सराबोर हो जाता था। यही बात थी कि महाराजा छत्रसाल उनका बहुत ही आदर-मान करते थे।

महाराज छत्रसाल कलम के धनी थे और कृपाण के भी। बुन्देलखंड के लोग आज भी उनको देवता की तरह मानते हैं। इनकी वीरता, दृढ़ता और उदारता के गीत बुन्देलखंड के कोने-कोने में गूँजते हैं। ओरछा का गढ़ आज भी अपना सीना ताने खड़ा है। वह बुन्देलखंड के वीर केशरी महाराजा छत्रसाल की शूर-वीरता की अमर निशानी है।

अभ्यास 7

1.1. पढ़िए और लिखिए :

पढ़ना ओढ़नी ओरछा मढ़िया

मृदंग ओखली आढ़त बाढ़

---------- ---------- ---------- ----------

---------- ---------- ---------- ----------

1.2. ओरछा ऐतिहासिक जगह है जहाँ के नृपति बड़े बहादुर थे।

जगह–जगह गढ़ बनवाया था। ये गढ़ लड़ाई के काम आते थे।

----

2. जोड़िए :

जोड़ का मतलब है किसी गिनती से उतना आगे गिनना जितना जोड़ना है। + जोड़ का चिह्न होता है,

सीखिए । जैसे :

पाँच में चार जोड़ने का अर्थ है, पाँच के आगे की चार गिनतियाँ गिनकर आखिरी गिनती लिखना अर्थात् 6, 7, 8, 9, यही 9 उत्तर है ।

$$\begin{array}{r} 5 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 5 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 6 \\ +2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 4 \\ +5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ +1 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 12 \\ +11 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 13 \\ +12 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 8

वीर भूमि

इस धरती का गौरव गाओ, यह धरती बलिदानी है।
दौड़ रहा रग-रग में इसके , बुन्देलों का पानी है।

इसे न कोई मात दे सका, तलवारों के घेरों में।
इसका तेवर दीप सरीखा, जलता रहा अँधेरों में।

आओ नमन करें सब इसको, यह साकार भवानी है।
दौड़ रहा रग-रग में इसके, बुन्देलों का पानी है।

इसके बेटे वीर-बाँकुरे, आजादी इसका पैगाम।
बेमिसाल रणनीति यहाँ की, इतिहासों में जिसका नाम।

दरिया दिल में शूर-वीरता, इसकी अमर निशानी है।
इस धरती का गौरव गाओ, यह धरती बलिदानी है।

यह रणचंडी हरबोलों की, नदी बेतवा इसका हार।
नगर ओरछा इसका दमखम, झाँसी है इसकी ललकार।

गूँज रही कण-कण में इसके, जौहर भरी कहानी है।
इस धरती का गौरव गाओ, यह धरती बलिदानी है।

–डॉ० अश्वघोष

अभ्यास 8

1. वर्णों और मात्राओं को मिलाकर लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं
क										
ख										
ग										
घ										
च										
ज										
ट										
त										

2. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 10 \\ +14 \\ \hline 24 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 13 \\ +8 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 18 \\ +13 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 28 \\ +15 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 45 \\ +25 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 42 \\ +38 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 37 \\ +38 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 33 \\ +39 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 18 \\ +39 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

जाँच–पत्र : 5 (पाठ 5 से 8 तक के लिए)

1. पढ़िए :

लोकतंत्र उऋण ऊसर

ओढ़नी मातृभूमि

2. पढ़िए :

छत्रसाल एक वीर पुरुष थे। वे मातृभूमि के लिए लड़े। उनकी वीरता से हमें सीख लेनी चाहिए। हमें अपने देश की आजादी बरकरार रखनी है। उसकी शान बढ़ानी है।

3 सही पंक्तियों के सामने सही का निशान (✓) लगाएँ :

तंत्र-मंत्र से बीमारी नहीं जाती है।

बीमार होने पर कथा सुननी चाहिए।

खेतीबारी के लिए बैंक से ऋण लेना चाहिए।

खेतीबारी के लिए साहूकार से ऋण लेना चाहिए।

बड़े परिवार से अधिक सुख मिलता है।

छोटे परिवार से अधिक सुख मिलता है।

4. लिखिए :

नीचे के चौखाने में लिखे अक्षरों से चार शब्द बनाइए, जैसे – पत्र :
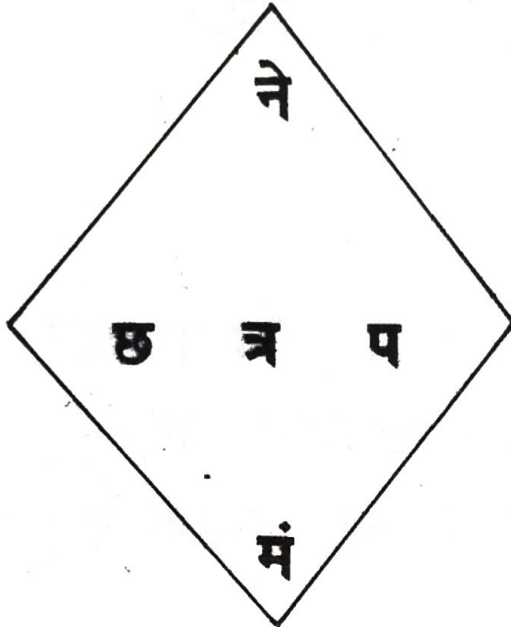
5. चौखटे से सही मात्रा चुनकर नीचे लिखे शब्दों को पूरा कीजिए :
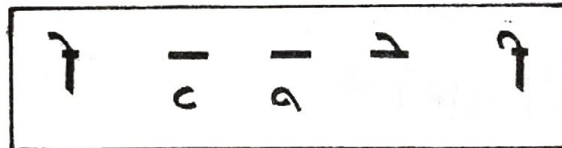
ल -- कतंत्र   **झाँस**   **गणश**

मह -- बा   **साढ़**   **मातभूमि**

6. जोड़िए :

5	6	14	21
+3	+4	+8	+12
____	____	____	____

पाठ 9
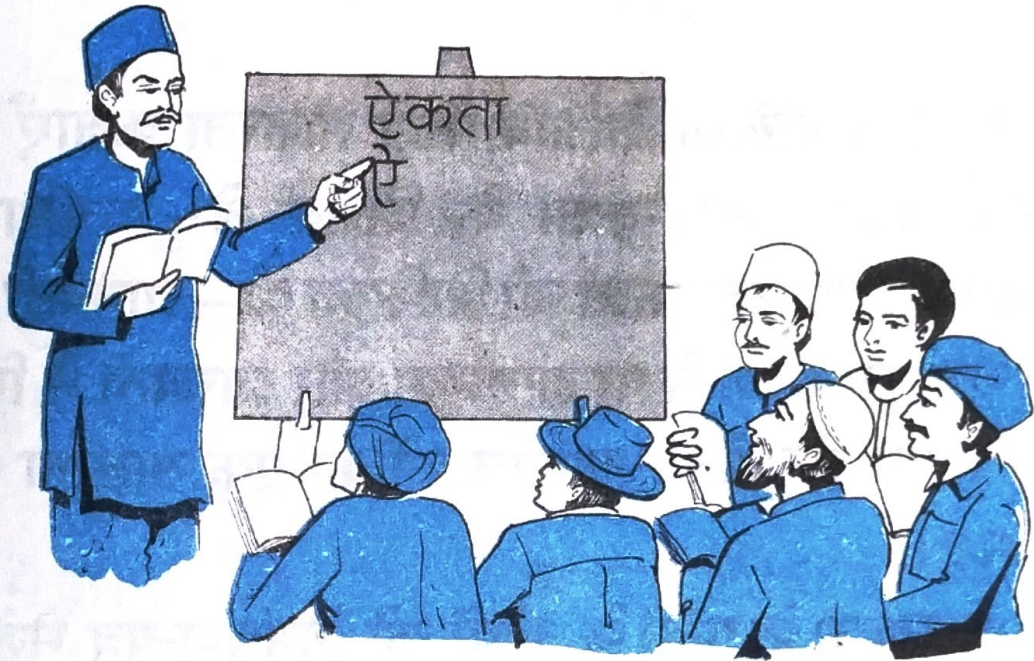
शिक्षा पाठ ज्ञान एकता

क्ष ठ ज्ञ ए

क्ष	क्षमा	साक्षर	पक्षी	क्षेत्र	सुरक्षा
ठ	ठसक	पठार	ठुमरी	ठेला	ठंडक
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ	आज्ञा	विज्ञान	ज्ञानवान
ए	एक	एकांत	एकटक	एकड़	एकाएक

हम सब फूल एक गुलशन के

रक्षपाल मुखिया के गाँव में दो साक्षरता कक्षाएँ चलती थीं। पुरुषों की साक्षरता-कक्षा के शिक्षक थे – ज्ञानीराम और महिलाओं की साक्षरता-कक्षा की शिक्षिका थीं – ज्ञानवती।

सत्र पूरा हो जाने पर ज्ञानीराम और ज्ञानवती ने मिलकर यह तय किया कि दोनों पाठशालाओं का एक सालाना जलसा किया जाए।

आसपास के गाँवों के लोगों को निमंत्रण-पत्र भेजे गए। लोग बड़ी संख्या में जलसे में शामिल हुए।

माननीय शिक्षा मंत्री जी इस जलसे के सभापति थे। जलसे का समय दोपहर दो बजे रखा गया था। शिक्षा मंत्री जी ठीक समय पर पधारे। जलसा शुरू हुआ।

साक्षरता-कक्षा की महिलाओं ने गीत गाया :

हम सब फूल एक गुलशन के
एक हमारी धरती सब की,
जिसकी माटी में जनमे हम।

मिली एक सी धूप हमें है,
सींचे गए एक जल से हम।
रहते नीचे एक गगन के,
हम सब फूल एक गुलशन के।

इसके बाद शिक्षा मंत्री जी का भाषण शुरू हुआ— मेरे भाइयो और बहनो! आपने यहाँ जो शिक्षा पाई है, जो ज्ञान हासिल किया है, उस सबके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। आपने यहाँ एकता का पाठ सीखा ही नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारा भी है। उसके लिए आप सबकी दिल से सराहना करता हूँ।

माननीय शिक्षा मंत्री जी ने जैसे ही अपना भाषण समाप्त किया, सारा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।
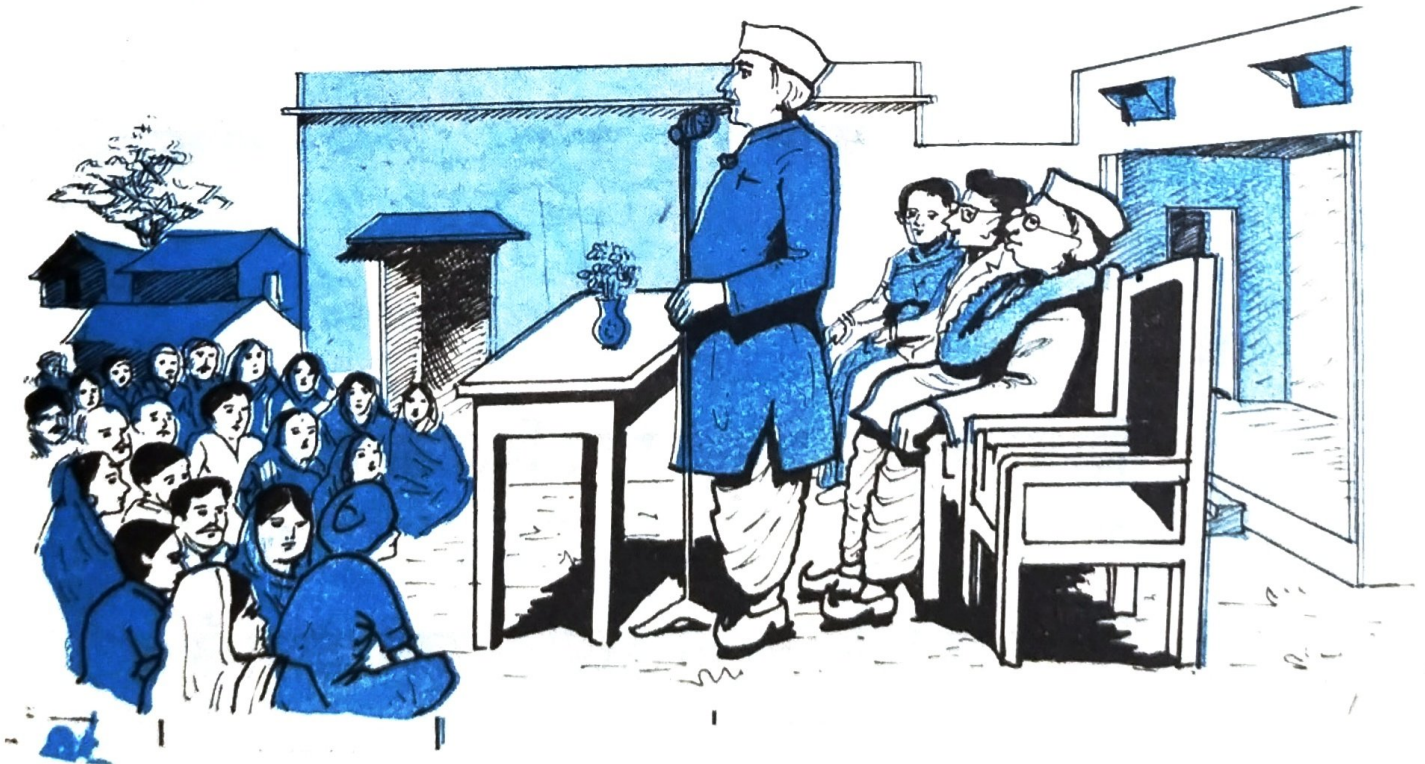
अभ्यास 9

1. नीचे लिखे शब्दों में से क्ष ठ ज्ञ और ए को गिनिए और उतनी ही बार लिखिए :

अक्षर	साक्षर	कठौता	लक्षण
कुठला	यज्ञ	गुणज्ञ	एकड़
एकांत	नक्षत्र	गठरी	कोठरी
एकता	एकदम		

क्ष ______ ______ ______ ______

ठ ______ ______ ______ ______

ज्ञ ______ ______ ______ ______

ए ______ ______ ______ ______

2. क्ष, ठ, ज्ञ, ए जोड़कर शब्द पूरे कीजिए :

अ_र	आ_ा	_ाकुर	अंगू_ा
_ड़ी	_कांत	प_ी	_क

3. नीचे लिखे वाक्यों को लिखिए :

1. शिक्षा शोषण से छुटकारा दिलाती है ।

____

2. शिक्षा से विकास का दरवाजा खुल जाता है ।

____

3.2. समझिए : घटाना

घटाने का मतलब है–कम करना या निकाल देना। जैसे–

एक आदमी के पास 5 रुपए हैं। उसने 4 रुपए दूसरे को दे दिए। अब उसके पास केवल 1 रुपया बचा। 5 रुपए में से 4 रुपए कम हो गये तो 1 रुपया बचा। यही घटाना है। घटाने का चिह्न (–) है।
इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$$5 - 4 = 1 \quad \text{या} \quad \begin{array}{r} 5 \\ -4 \\ \hline 1 \\ \hline \end{array}$$

घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 8 \\ -3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ -5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3.3. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 15 \\ +12 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 13 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 10

संयुक्ताक्षर

(पाई हटाकर बनने वाले)

ख्	संख्या	तख्त	ण्	पुण्य	कण्व
ग्	ग्वाला	ग्वारफली	त्	त्याग	पत्ता
घ्	विघ्न	कृतघ्न	थ्	तथ्य	पथ्य
च्	जच्चा	बच्चा	ध्	ध्यान	ध्वनि
ज्	ज्वार	उज्जैन	न्	न्याय	उन्नति
प्	प्यास	कुप्पी	श्	श्याम	ईश्वर
ब्	बब्बा	डिब्बा	ष्	मनुष्य	भविष्य
भ्	सभ्य	अभ्यास	स्	स्त्री	पुस्तक
म्	म्यान	अम्मा	क्ष्	लक्ष्मी	लक्ष्मण
ल्	गल्ला	आल्हा	व्	व्यापार	अव्वल

(घुंडी हटाकर बनने वाले)

क्	क्यारी	मक्का	फ्	दफ्तर	दफ्ती
	डाक्टर	कलक्टर		कोफ्ता	लिफ्ट
	रक्त	रुक्का		हफ्ता	फ्लू

पश्चाताप

(लल्लू उदास बैठा है। प्यारे उसके पास आकर बैठता है।)

प्यारे : लल्लू, कोई खास बात है। आज उदास बैठे हो ?

लल्लू : भैया, कैसे बताऊँ। बड़े मन से बिटिया ब्याही थी। अब बिटिया की ससुराल वालों ने उसे वापस भेज दिया।

प्यारे : वापस भेज दिया ?

लल्लू : हाँ, कहते हैं, जो कुछ बाकी रह गया है, वह सारा दहेज लेकर आओ।

प्यारे : तो कुछ बाकी रह गया था ?

लल्लू : हाँ, हमारी यही बेइज्जती बाकी रह गई थी। तुम तो जानते हो, मेरा बड़ा लड़का मंगल शादी-ब्याह में दहेज के खिलाफ है। इस शादी में भी खिलाफ था।

प्यारे : तो फिर ?

लल्लू : उस समय तो हमने बिटिया का ब्याह कर दिया, परन्तु अब जब बिटिया वापस आ गई तो मंगल पुलिस में शिकायत करने गया है। कल का गया है, कुछ कर के ही आयेगा।

(लल्लू का दामाद पुत्तन आता है)

पुत्तन : मंगल को जो करना था, कर दिया चाचा। हमारे बापू को पुलिस पकड़कर ले गई।

लल्लू : (हड़बड़ा कर उठते हुए) अरे, ऐसा कैसे हो सकता है, लाला ?

पुत्तन : जो होना था, वह हो गया चाचा । जैसा किया वैसा पाया। मैं होता तो आपकी बेटी को इतना अपमानित न होना पड़ता। अब जब तक आपकी बेटी थाने पर नहीं चलेगी और यह नहीं कहेगी कि मुझसे दहेज नहीं माँगा गया था,तब तक बापू नहीं छूटेंगे।

(मंगल आता है।)

मंगल : तुम्हारे बापू छूटें, चाहे हमेशा जेल में रहें, मेरी बहन झूठ नहीं बोलेगी।

पुत्तन : नहीं मंगल, मैं अपने बापू और अपने परिवार की ओर से माफी माँगता हूँ। अब आगे से तुम्हारी बहन अपमानित नहीं होगी।

मंगल : अपमानित तो हो ही गई !

पुत्तन : मैं घर में था नहीं, अपनी बहन से पूछ लो। दहेज की बात आने पर मैं स्वयं बापू से लड़ चुका हूँ। अब थाने पहुँचने के बाद बापू बहुत पश्चाताप कर रहे हैं।

मंगल : अगर यह बात है तो चलो, मैंने ही पुलिस में शिकायत की थी और मैं ही अब समझौता कराता हूँ।

(सभी जाते हैं)

अभ्यास 10

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िये और लिखिए :

जनसंख्या	______	______	पुण्य	______	______
सुग्गा	______	______	पत्थर	______	______
शत्रुघ्न	______	______	अयोध्या	______	______
बच्चा	______	______	कन्या	______	______
प्याज	______	______	सब्जी	______	______
सभ्य	______	______	सम्मान	______	______
शय्या	______	______	आल्हा	______	______
व्यायाम	______	______	ईश्वर	______	______
मनुष्य	______	______	पुस्तक	______	______
लक्ष्मी	______	______	निष्ठा	______	______
मक्खन	______	______	मक्का	______	______
हेक्टेयर	______	______	चक्की	______	______
रफ्तार	______	______	मुफ्त	______	______
मधुमक्खी	______	______	दफ्ती	______	______

2. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और लिखिए :

1. बीमार होने पर डाक्टर की सलाह लेनी चाहिये ।

____

2. मक्खियों से बीमारी फैलती है ।

____

3.1 जोड़िए :

7	8	9	8	9
+8	+7	+8	+9	+7
___	___	___	___	___
12	13	14	16	12
+5	+6	+5	+2	+3
___	___	___	___	___
35	24	14	40	20
+24	+26	+38	+20	+29
___	___	___	___	___

3.2 घटाइए :

99	96	64	100	95
−88	−74	−30	−100	−53
___	___	___	___	___
110	215	320	425	250
−8	−10	−18	−13	−30
___	___	___	___	___

पाठ 11

संयुक्ताक्षर

(हलन्त(्)लगाकर बनने वाले)

ट्	कट्टा	मिट्टी	चट्टान	चिट्ठी	ट्यूब वेल
	भट्ठी	मट्ठा	इकट्ठा	लट्ठा	गट्ठर
ठ्	पाठ्य पुस्तक				
ड्	खड्ड	हड्डी	खड्ग	बुड्ढा	टिड्डी
	ड्योढी	ड्योढा	लड्डू	कबड्डी	
ढ्	धनाढ्य				
द्	द्वार	गद्दा	विद्या	विद्यालय	विद्वान

(र के संयोग से बनने वाले)

्र	प्रकाश प्रभात प्रचार प्रयत्न क्रय विक्रय
	ग्राम ग्रेशन स्रोत प्रदूषण प्रजातंत्र
^	ट्रक ट्रेन ट्राली ट्रैक्टर ट्रम
	ड्रामा ड्रेस कंट्रोल पेट्रोल राष्ट्र
र्	कर्म धर्म सर्दी बर्फ पर्यटन
	ऊर्जा पर्वत नर्मदा पर्यावरण अर्थ
श्र	श्रम श्रमिक श्री श्रीमती श्रीमान्
	परिश्रम श्रवण मिश्रण श्रेष्ठ श्रव्य दृश्य

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक
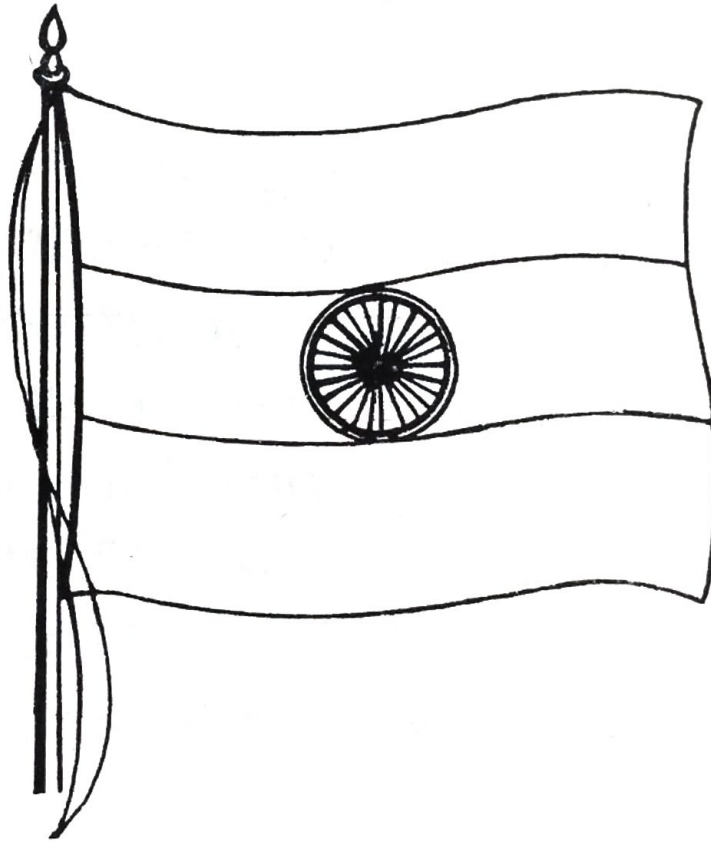
हर देश की अपनी पहचान होती है। इस पहचान के कुछ चिह्न होते हैं। इन्हें राष्ट्रीय प्रतीक कहते हैं। भारत राष्ट्र के भी कुछ प्रतीक हैं।

राष्ट्रीय झंडा

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना झंडा होता है। इसी को राष्ट्रध्वज कहते हैं। भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा है। इसकी लम्बाई-चौड़ाई तीन और दो के अनुपात में होती है। सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग होता है। यह त्याग, बलिदान, वीरता और पुरुषार्थ की निशानी है। बीच की पट्टी सफेद होती है। इससे शांति और मैत्री झलकती है। इसी सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग

का अशोक-चक्र होता है। इस चक्र में चौबीस तीलियाँ हैं। यह प्रगति की निशानी है। यह हमें बताता है कि बराबर आगे बढ़ते जाना है। कभी रुकना नहीं है। सबसे नीचे हरा रंग होता है। हरा रंग राष्ट्र की खुशहाली का चिह्न है।

झंडा फहराने के नियम बने हुए हैं। केसरिया रंग सदा ऊपर रहता है। पंद्रह अगस्त, दो अक्टूबर तथा छब्बीस जनवरी को सभी देशवासी अपने घरों पर यह झंडा फहरा सकते हैं। अन्य दिनों में झंडा केवल मुख्य-मुख्य दफ्तरों, मंत्रियों, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के निवासों पर नियमित रूप से फहराया जाता है। झंडे को सूर्योदय के समय फहराते हैं और सूर्यास्त के समय उतार लेते हैं। राष्ट्रीय शोक के समय झंडे को आधा झुका दिया जाता है। हर भारतीय का कर्त्तव्य है कि राष्ट्रध्वज को पूरा सम्मान दें।

राष्ट्रगान

'जन-गण-मन' हमारा राष्ट्रगान है। इसे श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने लिखा था। जब राष्ट्रगान गाया जाता है या राष्ट्रगान की धुन बजाई जाती है, सब लोग खड़े होकर इसका सम्मान करते हैं। राष्ट्रगान सभी लोग सावधान मुद्रा में खड़े होकर मिलकर गाते हैं।

श्री बंकिम चन्द्र चटर्जी के लिखे गीत 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया है।

राजचिह्न

अशोक के लाट से ली गई शेरों की मूर्ति भारत का राज-चिह्न है। इसमें चार शेर हैं, पर चित्र में तीन ही दिखाई देते हैं।
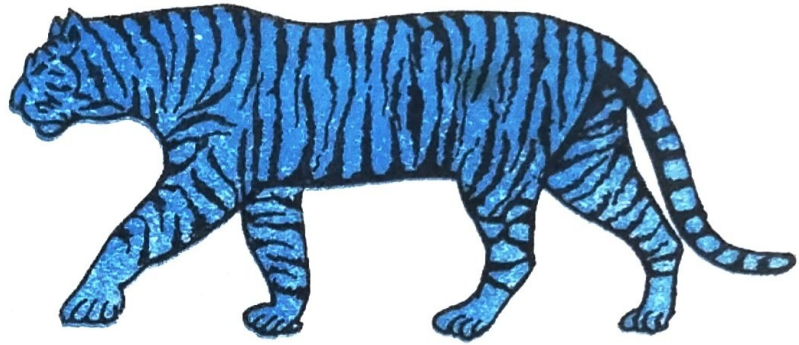
इसी कारण इसे त्रिमूर्ति भी कहते हैं। इस त्रिमूर्ति के नीचे घोड़े और बैल का चित्र है। घोड़े और बैल के बीच एक चक्र बना है। इसके नीचे लिखा है–'सत्यमेव जयते।' भारत सरकार के सभी कागज-पत्रों पर यह राजचिह्न छपा रहता है।

राष्ट्रीय पशु :

बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है। बाघ का स्वस्थ-सजीला शरीर, उसकी चुस्ती-फुर्ती, उसकी शाही चाल, उसकी दहाड़ देखते और सुनते बनती है। बाघ को मारना कानूनन अपराध है।

राष्ट्रीय पक्षी :

भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। यह अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। इस पक्षी को भी पकड़ना या मारना कानूनन अपराध है।

हमें अपने इन राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए।

अभ्यास 11

1. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए :

1. बुन्देलखण्ड की ------ पथरीली है। (मिट्टी/जलवायु)
2. हड्डी टूट जाने पर-------- को दिखाएँ। (वकील/डाक्टर)
3. हर जगह-------- की पूजा होती है। (विद्वान/मूर्ख)

2. पढ़िए और लिखिए :

प्रभात	______	______	ग्राम	______	______
ट्रैक्टर	______	______	ट्रक	______	______
पर्वत	______	______	नर्मदा	______	______
परिश्रम	______	______	श्रमिक	______	______

3. अँग्रेजी महीनों के नाम पढ़िए और लिखिए :

1. जनवरी ______	2. फरवरी ______
3. मार्च ______	4. अप्रैल ______
5. मई ______	6. जून ______
7. जुलाई ______	8. अगस्त ______
9. सितंबर ______	10. अक्टूबर ______
11. नवंबर ______	12. दिसंबर ______

4.1. बीस रुपए और पच्चीस पैसे को इस तरह लिखते हैं :

रु. 20 .25 या रुपए पैसे

20 . 25 रुपए पैसे

लिखिए :

- पच्चीस रुपए पचास पैसे रु. ... ... या ... ...
- साठ रुपए पचहत्तर पैसे रु. ... ... या ... ...
- पैंतीस रुपए तीस पैसे रु. ... ... या ... ...

ध्यान रहे, एक रुपए में 100 पैसे होते हैं।

- एक रुपए पाँच पैसे को इस तरह लिखते हैं:–रु.1.05

लिखिए :

- पाँच रुपए आठ पैसे = रु. ... ...
- तेरह रुपए पाँच पैसे = रु. ... ...

नोट :–शब्दों में लिखी धनराशि को अनुदेशक पढ़कर बताएँ।

4.2. जोड़िए :

रुपए	पैसे		रुपए	पैसे		रुपए	पैसे
15 ·	25		28 ·	15		64	65
+18 ·	40		+27 ·	65		+69	65
33 ·	65						

4.3. घटाइए :

रुपए	पैसे		रुपए	पैसे		रुपए	पैसे
35 ·	65		66 ·	70		86 ·	75
−22 ·	25		−25 ·	25		−26 ·	20

जाँच-पत्र : 6 (पाठ 1 से 11 तक के लिए)

1. पढ़िए

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना झंडा होता है । इसी को राष्ट्रध्वज कहते हैं । भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा है । इसमें सबसे ऊपर केसरिया रंग होता है । बीच की पट्टी सफ़ेद है । इसके बीच में चक्र बना है । सबसे नीचे हरा रंग होता है । हरा रंग देश की खुशहाली का चिह्न है । हमें इसका सम्मान करना चाहिए ।

2. नीचे लिखे दोनों ओर के सही सही आधे वाक्यों को मिलाकर पूरे वाक्य बनाइए और लिखिए:

लड़की की शादी की सही उमर	पूजा होती है ।
हरे रंग और मौसमी फल	सेहत के लिए जरूरी है ।
लड़का हो या लड़की	अधिक ताकत मिलती है ।
हर जगह विद्वान की	अठारह साल के बाद है ।
मिली-जुली दालें खाने से	दो संतानें ही होनी चाहिए ।

---

3 . ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए और फिर से लिखिए :

उत्तम स्वास्थ्य के लिए .... जरूरी है ।

(आराम/व्यायाम)

रानी लक्ष्मीबाई .... की रानी थीं ।

(ओरछा/झाँसी)

बैंक से ऋण लेने पर .... कम पड़ता है ।

(ब्याज/अनाज)

धुँआ रहित .... अच्छा होता है ।

(चूल्हा/घर)

हरी .... खाने से स्वास्थ्य अच्छा होता है ।

(दाल/सब्जी)

---

4. इमला लिखिए :

(पाठ 8 के पहले तीन वाक्यों का इमला बोलें । वाक्य छोटे हों ।)

5 खाली स्थानों को भरिए :

71		73			76	
	79			82		84

6. जोड़िए :

```
  45        15      50
 +32        +8      50
 ____      _____________

 ____      _____________
```

7. घटाइए :

```
  87         9      75
 -24        -3      10
 ____      _____________

 ____      _____________
```

प्रतिभागी का नाम : ------------------ पता : -------------

प्रवेश की तिथि : ---------------------------------------

परीक्षा की तिथि :---------------------------------------

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर: ------------------------

तारीख:---

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ....

....

सुपुत्र/ पत्नी/सुपुत्री ....

ने सन् .... *में चलाए गए*

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में 'बुंदेल भारती' *प्रवेशिका दूसरा भाग पूरा कर लिया है।*

पर्यवेक्षक/प्रेरक | ग्राम प्रधान | अनुदेशक

तारीख ....